क्या समलैंगिक होना असामान्य या अप्राकृतिक है?

क्या समलैंगिक होना असामान्य या अप्राकृतिक है?

इंसान जो विपरीत सेक्स से आकर्षित हैं वो लोग बहुसंख्यक हैं और वो इंसान जो सामान सेक्स के लिए आकर्षित हैं वे लोग अल्पसंख्यक हैं. बहुमत में होने का मतलब स्वचालित रूप से सामान्य होना नहीं हो जाता और न ही अल्पमत में होना स्वतः असामान्य बनता है. प्रकृति में, जीवन विविध रूप धारण करती है, यह स्वाभाविक है कि कामुकता के दायरे में भी यह विविधताएँ शामिल हो. समलैंगिक इंसानों के लिए एक ही सेक्स के इंसानों के वास्ते आकर्षण होना स्वाभाविक है विपरीत सेक्स के प्रति आकर्षण महसूस करने के लिए मजबूर करना अप्राकृतिक ही नहीं बल्कि दर्दपूर्ण भी है.

क्या यौन अभिविन्यास एक विकल्प है?

नहीं। इंसान के रूप में हम अपने यौन अभिविन्यास का चयन नहीं कर सकते. यौन अभिविन्यास किसी के नियंत्रण से बाहर के कारणों द्वारा निर्धारित किया जाता है. हालाँकि कोई भी यौन अभिविन्यास से पीठ चुराने को चुन सकता है या उसे अपना सकता है, लेकिन कोई भी आजतक इसे बदन नहीं पाया है.

क्या समलैंगिक लोगों को डॉक्टर को देखने की जरूरत है?

समलैंगिक होना एक बीमारी नहीं है. 1970 के दशक में, अमेरिकी मनोरोग एसोसिएशन और अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन ने समलैंगिक होने को बीमारी के के नाम से हटा दिया था. दूसरी और वो मत पिता जिन के बच्चे स्वयम को समलैंगिक मानते हैं, वो माता-पिता खुद को दोष देते हैं, क्रोध, या अन्य मानसिक अशांति का अनुभव करते है, उन्हें अपने भरोसे के लोगो से या पेशेवर सलाह पर भरोसा करना चाहिए

क्या समलैंगिक लोग हैं अपना यौन अभिविन्यास बदल सकते हैं?

यदि आप से कोई पूछे कि "क्या आप अपने यौन अभिविन्यास बदल सकते हैं," तो आप कैसे जवाब देंगे? क्या आप के विपरीत सेक्स के आकर्षण को कभी किसी ने "यह सिर्फ एक दौर है" कहा है? क्या यह वास्तव में अजीब सा नहीं लगता? लोग किसी दुसरे इंसान से उनकी स्वभाव के लिए प्यार करते हैं, नाकि की उनके सेक्स की वजह से, इसी कारन कोई भी "सही तरीका" नहीं है और न ही स्वाभाविक रूप से इसे "बदलने" की ज़रुरत है.

क्या लोग समलैंगिक इस लिए बन जाते है क्यूंकि बचपन में उन के साथ यौनिक दुर्वयवहार हुआ है?

बावजूद यौन अभिविन्यास की बात के, यौनिक दुर्वयवहार काफी दुर्भाग्यपूर्ण अनुभव है. हालांकि यौन अभिविन्यास और यौनिक दुर्वयवहार में कोई सम्बन्ध नहीं है. यह समलैंगिक लोगो के बारे में केवल एक भ्रम और गलत सूचना है.

क्या समलैंगिक लोग बच्चों को पाल सकते हैं? इस का बच्चों पे नकारात्मक प्रभाव तो नहीं पड़ेगा?

बच्चों को पालने के लिए माता पिता की क्षमता उनके यौन अभिविन्यास के साथ जुडी नहीं होती. हालांकि, कुछ लोगों को अभी भी यूँ लगता है कि एक ही लिंग के माता-पिता होने से बच्चों के साथ भेदभाव होगा या उन्हें बहिष्कृत किया जा सकता है. सच यह है कि अध्ययन बताता है कि वो बच्चे जो समलेंगिक परिवारों में पलते बढते हैं वो अलग लिंग के बच्चों की तरह ही ढंग से विकसित होते हैं. अध्ययनों में यह भी कहा है कि एक ही लिंग के माता - पिता चाहे वो दो मायेन हो या दो पिता, इस का बच्चो पे कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता.

वो लोग जो समलैंगिक लोग हैं, क्या उन्हें एड्स नहीं हो जाएगा?

नहीं. समलैंगिक होने का मतलब एड्स होना नहीं है. भले ही किसी का यौन अभिविन्यास कुछ भी हो, असुरक्षित यौन गतिविधियों में उलझने से एचआईवी से संक्रमित होने की संभावना बढ़ जाती है कोई भी "खतरनाक" यौन अभिविन्यास नहीं है, बस "खतरनाक" व्यवहार हैं. विपरीत सेक्स से आकर्षित होने वालों को भी असुरक्षित यौन व्यवहार की वजह से एचआईवी संक्रमित होने का खतरा रहता है.

जो समलैंगिक लोग हैं, उनको बच्चे नहीं होते तो क्या उन्हें माता-पिता होने का अफसोस नहीं है?

हर व्यक्ति को खुशनुमा ज़िन्दगी जीने के लिए शादी करने या जैविक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता नहीं होती है, बच्चों को पैदा करना या न करना एक व्यक्तिगत निर्णय है और अलग लोगों का अलग निष्कर्ष होता है. बच्चे पैदा करने के निर्णय तीसरे पक्ष द्वारा नहीं बनाया जाना चाहिए.

API EQUALITY-LA
Asians and Pacific Islanders for LGBT Equality
www.qaspace.org
www.apiequalityla.org

* अधिकांश जानकारी के ताइपे के सिटी द्वारा प्रकाशित "एलजीबीटी लोगों हैंडबुक को जानना" से ली गई है.